राष्ट्रीय संगोष्ठी

''जनसंख्या वृद्धि : चुनौतियाँ एवं समस्याएँ''

(Population Growth : Challenges and Problems)

आयोजक : समाजशास्त्र विभाग

गोस्वामी तुलसीदास राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कर्वी चित्रकूट

दिनाँकः 26-27 मार्च, 2022

Seminar Report, Name of Resource Person and Conclusion

उच्च शिक्षा विभाग उत्तर प्रदेश शासन द्वारा प्रायोजित द्विदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी ***''जनसंख्या वृद्धि : चुनौतियाँ एवं समस्याएँ'' (Population Growth : Challenges and Problems)*** का आयोजन दिनाँक : 26–27 मार्च, 2022 को समाजशास्त्र विभाग, गोस्वामी तुलसीदास राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कर्वी चित्रकूट द्वारा किया गया। पंजीकरण एवं जलपान का कार्य प्रातः 08:30 बजे से प्रारम्भ हुआ। प्रातः 10:00 बजे प्रभारी प्राचार्य डॉ0 राजेश कुमार पाल की अध्यक्षता में मुख्य अतिथि प्रोफेसर योगश चन्द्र दुबे, कुलपति, जगद्गुरू रामभद्राचार्य दिव्यांग विश्वविद्यालय चित्रकूट के द्वारा संगोष्ठी का उद्घाटन किया गया। उद्घाटन सत्र में वक्ता के रूप में डॉ0 विनोद मिश्र, संकायाध्यक्ष कला, जगद्गुरू रामभद्राचार्य दिव्यांग विश्वविद्यालय चित्रकूट, डॉ0 राजेश त्रिपाठी, एसो0प्रोफेसर समाजशास्त्र, महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय चित्रकूट सतना, म0प्र0, श्री अभिमन्यु सिंह, निदेशक, सर्वोदय सेवा संस्थान चित्रकूट ने अपने विचार रखे। इसके पूर्व आयोजन सचिव श्री अमित कुमार सिंह ने अतिथियों का स्वागत करते हुए संगोष्ठी की रूपरेखा प्रस्तुत की। संचालन का दायित्व डॉ0 वंशगोपाल एवं सहसंयोजक डॉ0 नीरज गुप्ता ने संभाला।

उद्घाटन/प्रथम सत्र

दिनाँकः 26.03.2022 समयः 10:30 से 01:00 बजे तक

क्र0सं0	नाम	पदनाम	महाविद्यालय/विश्वविद्यालय का नाम
1	डॉ0 राजेश कुमार पाल	प्रभारी प्राचार्य	गोस्वामी तुलसीदास राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कर्वी, चित्रकूट
2.	श्री अमित कुमार सिंह	आयोजन सचिव	गोस्वामी तुलसीदास राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कर्वी, चित्रकूट
3.	प्रोफेसर योगेश चन्द्र दुबे	कुलपति/ मुख्य अतिथि	जगद्गुरू रामभद्राचार्य दिव्यांग विश्वविद्यालय चित्रकूट
4.	डॉ0 विनोद मिश्र	संकायाध्यक्ष	जगद्गुरू रामभद्राचार्य दिव्यांग विश्वविद्यालय चित्रकूट
5	डॉ0 राजेश त्रिपाठी	एसो0प्रोफेसर	महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय, चित्रकूट, सतना, म0प्र0
6.	श्री अभिमन्यु सिंह	निदेशक	सर्वोदय सेवा संस्थान चित्रकूट

उद्घाटन एवं प्रथम सत्र के उपरांत 01:00 से 02:00 बजे तक समय भोजनावकाश का रहा। इसके पश्चात् 02:00 बजे से 04:00 बजे तक द्वितीय तकनीकी सत्र का संचालन किया गया। द्वितीय तकनीकी सत्र के वक्ताओं का विवरण निम्नवत् हैं

द्वितीय तकनीकी सत्र

(Resource Person) **दिनाँकः 26.03.2022 समयः 02:00 से 04:00 बजे तक**

क्र0सं0	नाम	पदनाम	महाविद्यालय/विश्वविद्यालय का नाम
1	श्री अमित कुमार सिंह	आयोजन सचिव	गोस्वामी तुलसीदास राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कर्वी, चित्रकूट, उ0प्र0
2.	डॉ0 एस0कुरील	एसो0प्रोफेसर	महामति प्राणनाथ महाविद्यालय मऊ चित्रकूट, उ0प्र0
3.	डॉ0 नीरज गुप्ता	सह संयोजक	गोस्वामी तुलसीदास राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कर्वी, चित्रकूट, उ0प्र0

द्वितीय तकनीकी सत्र के समापन के पश्चात् 04:00 से 04:30 बजे तक स्वल्पाहार का समय रहा। स्वल्पाहार के पश्चात् 04:30 से 05:30 बजे तक सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये गये।

तृतीय तकनीकी सत्र

(Resource Person) **दिनाँकः 27.03.2022 समयः 10:00 से 01:00 बजे तक**

क्र0सं0	नाम	पदनाम	महाविद्यालय/विश्वविद्यालय का नाम
1	डॉ0 धीरेन्द्र सिंह	असि0प्रोफेसर	राजकीय महाविद्यालय मानिकपुर, चित्रकूट
2.	डॉ0 अमूल्य सिंह	एसो0 प्रोफेसर	साकेत महाविद्यालय अयोध्या, उ0प्र0
3.	डॉ0 रामनरेश यादव	असि0प्रोफेसर	गोस्वामी तुलसीदास राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कर्वी, चित्रकूट, उ0प्र0
4.	डॉ0 धर्मेन्द्र सिंह	असि0प्रोफेसर	गोस्वामी तुलसीदास राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कर्वी, चित्रकूट, उ0प्र0
5.	डॉ0 सीमा कुमारी	असि0प्रोफेसर	गोस्वामी तुलसीदास राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कर्वी, चित्रकूट, उ0प्र0

तृतीय तकनीकी सत्र के उपरांत 01:00 से 02:00 बजे तक समय भोजनावकाश का रहा। इसके पश्चात् 02:00 बजे से 04:30 बजे तक चतुर्थ एवं समापन तकनीकी सत्र का संचालन किया गया। चतुर्थ/समापन तकनीकी सत्र के वक्ताओं का विवरण निम्नवत् हैं

चतुर्थ एवं समापन तकनीकी सत्र

(Resource Person) दिनाँकः 27.03.2022 समय 02:00 से 04:30 बजे तक

क्र0सं0	नाम	पदनाम	महाविद्यालय/विश्वविद्यालय का नाम
1	डॉ0 राजेश कुमार पाल	प्रभारी प्राचार्य	गोस्वामी तुलसीदास राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कर्वी, चित्रकूट उ0प्र0
2.	डॉ0 कमलेश थापक	एसो0प्रोफेसर	महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय चित्रकूट, सतना, म0प्र0
3.	डॉ0 सुनीता श्रीवास्तव	एसो0प्रोफेसर	जगद्गुरू रामभद्राचार्य दिव्यांग विश्वविद्यालय चित्रकूट
4.	डॉ0 अम्बरीश रॉय	एसो0प्रोफेसर	जगद्गुरू रामभद्राचार्य दिव्यांग विश्वविद्यालय चित्रकूट
5	डॉ0 वंशगोपाल	एसो0प्रोफेसर	गोस्वामी तुलसीदास राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कर्वी, चित्रकूट, उ0प्र0

समापन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ0 कमलेश थापक उपस्थित रहे। समापन सत्र की अध्यक्षता प्रभारी प्राचार्य डॉ0 राजेश कुमार पाल ने की। समापन सत्र में वक्ता के रूप में डॉ0 सुनीता श्रीवास्तव, डॉ0 अम्बरीश रॉय ने अपने विचार रखे। समापन सत्र के अंत में संगोष्ठी आयोजन सचिव, श्री अमित कुमार सिंह ने सम्पूर्ण सेमिनार की रिपोर्ट प्रस्तुत की। धन्यवाद ज्ञापन सहसंयोजक डॉ0 नीरज गुप्ता एवं संचालन का कार्य डॉ0 वंशगोपाल द्वारा किया गया।

संगोष्ठी के निष्कर्ष

''जनसंख्या वृद्धि : चुनौतियाँ एवं समस्याएँ'' ***(Population Growth : Challenges and Problems)*** विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी के जो बिन्दु निर्धारित किये गये थे उन सबसे संबंधित व्याख्यान एवं शोध–पत्र पढ़े गये। इन व्याख्यानों एवं शोधपत्रों के प्रस्तुतीकरण के फलस्वरूप जो निष्कर्ष प्राप्त हुए वे निम्नवत् हैं–

- जनसंख्या वृद्धि भारत की सबसे प्रमुख समस्या है। इस पर यदि नियन्त्रण नहीं किया गया तो आने वाला समय बड़ा ही भयावह होगा।
- बढ़ती जनसंख्या के कारण प्रकृति का संतुलन बिगड़ गया है। पर्यावरणीय समस्याएँ दिनोदिन बढ़ती जा रही हैं। इन सबका कारण जनसंख्या वृद्धि ही है। यदि पर्यावरण को स्वच्छ रखना है तो जनसंख्या वृद्धि की रफ्तार को कम करना नितांत आवश्यक है।
- बढ़ती जनसंख्या के सापेक्ष आवास उपलब्ध न होने के कारण गंदी बस्तियों, पुलों के नीचे, फुटपाथों, धार्मिक स्थलों, खुली जगहों पर जनाधिक्य बढ़ता जा रहा है। स्वच्छ पेयजल, शौचालय, भोजन की उपलब्धता इनके लिए कठिन चुनौती बनती जा रही है।
- धरती पर जनाधिक्य के दबाव से जीव–जन्तुओं का आवासीय क्षेत्र सिमटता जा रहा है जिसके परिणाम स्वरूप अनेक जीव–जन्तुओं की संख्या बहुत कम रह गयी है।
- अनेक प्रजातियाँ विलुप्त भी हो चुकी हैं। जल की खपत दिनोदिन बढ़ती जा रही है। इसके विपरीत पुराने जलस्रोत जनाधिक्य के दबाव में दब गये हैं। बढ़ती आबादी के साथ–साथ जल संकट और भी गहरा होता जायेगा।

- जनाधिक्य के साथ ही खेती योग्य भूमि भी खण्डित होती जा रही है जिस पर कृषि करना संभव नहीं है। कृषि भी संकटग्रस्त है जिससे रोजगार के साधन और भी घट रहे हैं। नगरों में बढ़ती जनसंख्या के हिसाब से रोजगार उपलब्ध नहीं हैं। शहरों पर बढ़ता जनसंख्या का दबाव अनेक समस्याओं को जन्म दे रहे हैं।
- बढ़ती जनसंख्या के कारण दुर्घटनायें बढ़ी हैं जिनमें सड़क दुर्घटनायें आम बात हो गयी हैं।
- बढ़ती जनसंख्या की वजह से सामाजिक मूल्यों का पतन हो रहा है। अपराध के नये प्रतिमानों का उदय हुआ है। बुनियादी सुविधाओं की अपर्याप्तता ने अनेक विचलनकारी रास्ते खोले हैं। कोलाहल व शोरगुल प्रकृति में घुल गये हैं। स्थिर जीवन की कल्पना मात्र रह गयी है। अतः जनसंख्या पर नियन्त्रण अति आवश्यक है। सामाजिक व वैधानिक जो भी उपाय हों वे सब लागू करने चाहिए। यह कोई व्यक्तिगत समस्या नहीं है। अतः सबको इसमें आगे आना होगा तभी कुछ हो सकता है। अन्यथा आने वाला भविष्य बड़ा ही संकटमय होगा।

(डॉ0 राजेश कुमार पाल)
संयोजक / प्रभारी प्राचार्य
राष्ट्रीय संगोष्ठी

प्राचार्य
गो० तु० राजकीय स्नातकोत्तर
महाविद्यालय, कर्वी (चित्रकूट)